अंक-योजना अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, **2025** विषय-हिंदी (ऐच्छिक) (प्रश्न-पत्र कोड **29**/1/1-3**)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।
6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना
14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।

18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

अंक-योजना
हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 80

प्रश्न सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	18
	29/**1/1**	29/**1/2**	29/**1/3**		
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर:-**	**10**
				(i) (B) प्लास्टिक	1
				(ii) (A) पृथ्वी की रक्षा के प्रति सचेत हो जाएँ।	1
				(iii) (A) पालन-पोषण का गुण	1
				(iv) • प्राकृतिक सम्पदा आने वाली पीढ़ियों की अमानत • भावी पीढ़ियों को साफ-सुथरा पर्यावरण प्रदान करना वर्तमान पीढ़ी का दायित्व • प्रकृति का अंधाधुंध दोहन नहीं बल्कि उसका संरक्षण करना • प्रकृति से जरूरत पूरा करने भर ही लेना	2
				(v) • पृथ्वी का वातावरण दिन-प्रतिदिन दूषित होना • प्राकृतिक संसाधनों के अविवेकपूर्ण दोहन से जैव विविधता को भारी नुकसान	2
				(vi) • गैर-नवीकरणीय ऊर्जा –सीमित संसाधन जैसे : कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस आदि • नवीकरणीय ऊर्जा—प्राकृतिक संसाधन जैसे : सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल-विद्युत आदि	2
				(vii) • धरती पर जीवन बनाए रखने के लिए	1

2	2	1	2	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (i) (A) पृथ्वी पर सब कुछ नश्वर है। (ii) (D) अस्तित्व नष्ट हो जाता है। (iii) (C) (I) और (II) दोनों ही (iv) ● पेड़ ● विपरीत परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना लेना (v) ● सत्ता/शक्ति/धन आदि सब नश्वर ● शक्तिहीन का नष्ट होना तय ● प्रतिकूल परिस्थितियों में अडिग बने रहना ● भावी पीढ़ी को अपने जीवन से प्रेरणा देना (vi) ● पुरुषार्थी/साहसी/संघर्षी व्यक्तियों का विरोधी/शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा भी सम्मान	**8** 1 1 1 2 2 1
				खंड ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)**	**22**
3	3	5	4	प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित:- (क) ● समाचार का सबसे पहला और महत्त्वपूर्ण हिस्सा, जिसे इंट्रो भी कहा जाता है। ● कम शब्दों में घटना की आकर्षक जानकारी (ख) ● जनसंचार के विभिन्न माध्यम—प्रिंट, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट की अपनी-अपनी खूबियाँ और कमियाँ ● सबका एक ही लक्ष्य— लोगों को नवीनतम, अद्यतन और सटीक जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराना। (ग)● **बीट-** संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर किया गया काम का बँटवारा **उदाहरण** :- खेल क्षेत्र में रूचि व जानकारी रखने वाला संवाददाता अपने शहर या क्षेत्र में होने वाली खेल-गतिविधियों की रिर्पोटिंग के लिए ज़िम्मेदार व जवाबदेह (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	**5** 1 2 2
4	4	6	5	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में :	**3 x 2 =6**

				(क) ● समाचार पत्र-पत्रिकाओं में संपूर्णता लाने हेतु ● विविधता और व्यापक कलेवर हेतु ● पाठकों की अलग-अलग रुचियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों की निरंतर और पर्याप्त जानकारी देने हेतु (ख) ● स्थायित्व ● समय और रुचि के अनुसार पढ़ने की सुविधा ● लंबे समय तक सुरक्षित रखने और संदर्भ की तरह इस्तेमाल करने की सुविधा ● चिंतन-मनन और विश्लेषण करने की सुविधा (ग) ● **खोजी रिपोर्ट :** मौलिक शोध और छानबीन के द्वारा सार्वजनिक तौर पर अनुपलब्ध सूचनाओं और तथ्यों को प्रकाश में लाने वाली रिपोर्ट । जैसे: किसी भी क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों को प्रकाश में लाने वाली खबर **इन डेप्थ रिपोर्ट**: सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध, सूचनाओं और तथ्यों की गहरी छानबीन कर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को प्रकाश में लाने वाली रिपोर्ट।	
5	5	3	6	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख: विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	6	4	3	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में : (क) ● कविता अनुभूतिजन्य नैसर्गिक अभिव्यक्ति ● अन्य कलाओं की तरह कविता लेखन में बाह्य उपकरणों (रंग, कूची, कैनवास, वाद्ययंत्रों आदि) की आवश्यकता नहीं ● कविता लेखन हेतु देखने की नवीन दृष्टि, पहचानने और प्रस्तुत करने की कला (प्रतिभा) प्रकृति प्रदत्त, जिसे अभ्यास से केवल निखारा जा सकता है। (ख) ● दर्शक/प्रेक्षक का वर्तमान में ही उपस्थित होना ● दर्शक/प्रेक्षक को घटना से अवगत कराना ● भूतकाल अथवा भविष्यकाल की घटनाओं को नाटक में वर्तमान काल में ही मंच पर मंचित/ संयोजित/अभिनीत करना	**3 x 2 = 6**

				उदाहरण:- ऐतिहासिक या पौराणिक घटनाओं से जुड़ी कहानियों को नाटक के माध्यम से वर्तमान काल में प्रस्तुत करना (ग) ● पात्रों के संवाद व क्रियाकलाप **उदाहरण :** (i) 'कफ़न' कहानी में घीसू और माधव का संवाद (ii) सरदी से ठिठुरते हुए व्यक्ति को देखकर किसी पात्र का उसे कंबल दे देना, चाय पिलवा देना आदि। (iii) एक मित्र द्वारा अपनी या दूसरे की समस्या के समाधान के लिए अपने किसी तीसरे मित्र के पास जाना। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	
				खंड-ग **(पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल पर आधारित)**	**40**
7	7	9	8	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प : (i) (C) (I) और (III) दोनों (ii) (A) कृपापूर्ण (iii) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (iv) (C) अपराधी पर भी क्रोध न करने की (v) (A) भरत	**1 x 5 = 5**
8	8			काव्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क) **विडंबना :-** ● उचित समय पर स्कंदगुप्त के प्रेम को प्राप्त न कर पाना ● देवसेना का जीवनभर संघर्ष करना **क्यों:-** ● स्कंदगुप्त को प्राप्त न कर पाना ● राष्ट्र सेवा के व्रत को पूर्ण करने में असफल (ख)● 'तोड़ो' के मूल में भी सृजन ● 'तोड़ो' के माध्यम से नवनिर्माण की प्रेरणा ● मन की बंजर प्रकृति (ऊब और खीझ) को तोड़ने की बात करना क्योंकि यह सृजन में बाधक (ग) **सुगबुगाने :** जागृति, चेतना का संचार होना, नई उमंग और संकल्प से भर उठना	**2 x 2 = 4**

		7		**पचखियाँ फेंकने** : नीरसता, जड़ता का त्याग करना, अप्रस्तुत में भी अंकुरण की अभिलाषा (क) शक्ति-सामर्थ्य और साधनों के सीमित होने पर भी परिस्थितियों से हार न मानना और उनसे लड़ना (ख) **भरने :** रोज लोगों का बनारस शहर में आना, मोक्ष प्राप्ति के लिए वहाँ निवास करना **खाली होने :** प्रतिदिन लोगों का बनारस शहर से जाना, अंतहीन शवों को गंगा तट पर ले जाना अर्थात् जीवन-मृत्यु का चक्र निरंतर चलता रहना (ग) ● समाज में व्याप्त रूढ़ियाँ, अन्धविश्वास, झूठे बंधनों को तोड़ना ● मन में व्याप्त ऊब तथा खीझ को तोड़ना **क्यों :** सृजन के लिए भीतरी (मन) और बाहरी बाधाओं (रूढ़ियों) को तोड़ना आवश्यक	
			9	(क)● स्कंदगुप्त के प्रति प्रेम की आकांक्षा का पूरा न होना ● प्रेम में असफलता जन्य निराशा व पीड़ा ● जीवन रूपी संघर्ष में हार के कारण उसका करुणा से भर जाना और करुणा का यह चरम उसके लिए दुखदायी बन जाना (ख)● अपनी संस्कृति से जुड़ा शहर, आधुनिकता की प्रतिस्पर्धा से मुक्त ● प्राचीन परम्पराओं और मान्यताओं में अगाध विश्वास ● धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय से जुड़ा शहर ● अपने ढंग से, अपनी गति से जीना इस शहर की विशेषता (ग)● जमीन में गुड़ाई करके बीजारोपण करने से पूर्व पथरीली जमीन को उपजाऊ खेत में बदलने के लिए पत्थरों, चट्टानों को तोड़ना आवश्यक, तभी बीज का पोषण संभव ● इसी प्रकार मन में भावों और विचारों के पोषण के लिए झुँझलाहट, चिढ़न, कुढ़न आदि विकारों को दूर करना आवश्यक, तभी सृजन की प्रक्रिया संभव	
9	9	8	7	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक	**6**

				(क) कवि : मलिक मुहम्मद जायसी कविता : बारहमासा **अथवा** (ख) कवि : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता : यह दीप अकेला	
10	10	11	11	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i) (D) हिंदी-फ़ारसी भाषा की उक्तियाँ मिलाने में (ii) (D) घर के साहित्यिक परिवेश से परिपूर्ण वातावरण का उल्लेख करने के लिए। (iii) (A) पिता द्वारा चित्ताकर्षक ढंग से उनके नाटकों का सुनाया जाना। (iv) (C) आयु (v) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**1 x 5 = 5**
11	11			गद्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क) ● परिवेश व्यक्तित्व निर्माण का महत्त्वपूर्ण घटक ● परिवेश से ही व्यवहार, सोच और भावनाओं को आकार मिलना ● घर के साहित्यिक परिवेश के कारण आचार्य शुक्ल का हिंदी साहित्य, हिंदी भाषा और साहित्यकारों के प्रति झुकाव (ख) ● मुक्त उत्तर **पक्ष में** : संवदिया होने से पूर्व हरगोबिन एक मनुष्य, उसके भीतर भी मानवीय संवेदनाएँ, बड़ी हवेली से उसका संपन्नता के दिनों से जुडाव, बड़ी बहुरिया के दुखों का वर्णन उसके घर वालों के सामने करने से उसकी और उसके गाँव की बदनामी **विपक्ष में** : हरगोबिन संवदिया था, अच्छा-बुरा किसी भी प्रकार का संवाद पहुँचाना ही उसका कर्त्तव्य, बड़ी बहुरिया की वास्तविक स्थिति से परिचित कराना उसका दायित्व (ग) ● प्रकृति मनुष्य की सहचरी ● प्रकृति मनुष्य की सुख दुख की साझीदार ● मनुष्य के उजड़ने पर पेड़ों को अकेलेपन का भय और उदासी	**2 x 2 = 4**

				● जब मनुष्य ही अपने गाँव से उजड़ जाएँगे तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे?	
		12		(क)● पिता द्वारा 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' के किए जाने वाले वाचन को ध्यान से सुनना ● भारतेंदु हरिश्चन्द्र के नाटकों का अच्छा लगना ● घर में आने वाली पत्र-पत्रिकाओं को ध्यान से पढ़ना और पढ़ने के लिए पुस्तकालय जाना ● डेढ़ मील का लंबा सफर तय कर प्रेमघन जी की पहली झलक देखने के लिए मित्रों के साथ जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ख)● हरगोबिन को अपने कर्त्तव्य से अधिक बड़ी बहुरिया और अपने गाँव की मर्यादा की चिंता ● बड़ी बहुरिया के संवाद का एक-एक शब्द उसके मन को पीड़ित करने वाला (ग)● कान्हा के वन्य स्थल में विचरण करने वाली युवा हिरणियों से ● जरा सी आहट पाते ही वे हिरणियों की भाँति अजनबियों को देखकर भागती नहीं बल्कि आश्चर्यचकित हो अजनबियों को देखती हैं, मुस्कुराती हैं और अपने काम में सिर झुकाकर डूब जाती हैं।	
			12	(क) ● चौधरी साहब बातचीत की कला में प्रवीण ● उनके मुँह से निकली हर बात का ढंग निराला **उदाहरण** : नौकर से संवाद, पंडित जी से संवाद (ख) ● बड़ी हवेली की संपन्नता, प्रतिष्ठा और उसके वैभव का ● घर के सभी सदस्यों के एकजुट होकर रहने का ● छोटे-बड़े के आदर और सम्मान का (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ग) ● अपनी संस्कृति, अपने परिवेश से हमेशा के लिए अलग हो जाना ● घर और गाँव के साफ-सुथरे परिवेश को छोड़ शहरों में गंदी बस्तियों में जीवन-यापन करने के लिए मजबूर होना ● जीवन की मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसना ● बेरोज़गारी की पीड़ा को झेलना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	

12	**12**	**10**	**10**	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (पाठ तथा लेखक का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) पाठ : संवदिया लेखक : फणीश्वरनाथ 'रेणु' **अथवा** (ख) पाठ : कुटज लेखक : हजारीप्रसाद द्विवेदी	6
13	**13**			'अंतराल' पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित: (क) **पहचान :-** ● हार-जीत से विचलित न होना ● हार-जीत के प्रति समभाव ● जीत के लिए पुन: प्रयास करना **उदाहरण :-** ● झोपड़ी के नष्ट हो जाने पर पुन: बनाने का संकल्प करना- "......सौ लाख बार बनाऊँगा" ● पोटली न मिलने पर पुनः पैसे कमाने का निश्चय करना--"मैंने ही कमाए थे, फिर नहीं कमा सकता" ● दोनों हाथों से झोपड़ी की राख उड़ाते हुए विजय-गर्व से भर उठना (ख) ● गाँवों का शहरों की तरह सुविधायुक्त न होकर प्रकृति पर अधिक निर्भर रहना ● गाँव में प्रकृति के कोमल व कठोर दोनों रूप— एक ओर मनोहारी चाँदनी रात, रंग-बिरंगे फूलों और वर्षा का सौंदर्य, दूसरी ओर गाँव में बाढ़, सूखे, कीड़ों-मकोड़ों, साँप-बिच्छुओं का डर ● चिकित्सा के लिए प्रकृति पर निर्भर ● लोगों के बीच पारस्परिक लगाव	**5 x 2 = 10**

		13		(ग) **वर्तमान स्थिति:-** ● अतिवृष्टि या अनावृष्टि होना ● नदी-नालों का सूखना और अत्यधिक प्रदूषित होना ● पैदावार में कमी **कारण:-** ● तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण ● भूजल का अत्यधिक दोहन ● प्राकृतिक सम्पदा को क्षति पहुँचाना ● पर्यावरणीय असंतुलन **सुधार हेतु सुझाव:-** ● जल के परंपरागत संसाधनों का आधुनिकीकरण तथा संरक्षण ● मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन ● प्रकृति से प्रेम और उसका सम्मान (क) ● स्वाभिमानी ● आत्मविश्वासी ● दृढ़-प्रतिज्ञ ● निडर और साहसी ● सत्य की पक्षधर (ख) **वर्तमान स्थिति:-** ● अतिवृष्टि या अनावृष्टि होना ● नदी-नालों का सूखना और अत्यधिक प्रदूषित होना ● पैदावार में कमी **कारण:-** ● तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण ● भूजल का अत्यधिक दोहन ● प्राकृतिक सम्पदा को क्षति पहुँचाना ● पर्यावरणीय असंतुलन **सुधार हेतु सुझाव:-** ● जल के परंपरागत संसाधनों का आधुनिकीकरण तथा संरक्षण ● मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन	

				● प्रकृति से प्रेम और उसका सम्मान (ग) ● गाँवों का शहरों की तरह सुविधायुक्त न होकर प्रकृति पर अधिक निर्भर रहना ● गाँव में प्रकृति के कोमल व कठोर दोनों रूप— एक ओर मनोहारी चाँदनी रात, रंग-बिरंगे फूलों और वर्षा का सौंदर्य, दूसरी ओर गाँव में बाढ़, सूखे, कीड़ों-मकोड़ों, साँप-बिच्छुओं का डर ● चिकित्सा के लिए प्रकृति पर निर्भर ● लोगों के बीच पारस्परिक लगाव	
			13	(क) जीवन में आगे बढ़ने हेतु सूरदास की तरह सकारात्मक सोच का होना अनिवार्य क्योंकि सकारात्मक सोच के कारण -- ● मन में ऊर्जा का संचार ● स्वयं आशान्वित रहना, औरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा ● कठिनाइयों से लड़ने का साहस ● पुनर्निर्माण का उत्साह ● आत्मविश्वास में वृद्धि (ख) ● गाँवों का शहरों की तरह सुविधायुक्त न होकर प्रकृति पर अधिक निर्भर रहना ● गाँव में प्रकृति के कोमल व कठोर दोनों रूप— एक ओर मनोहारी चाँदनी रात, रंग-बिरंगे फूलों और वर्षा का सौंदर्य, दूसरी ओर गाँव में बाढ़, सूखे, कीड़ों-मकोड़ों, साँप-बिच्छुओं का डर ● चिकित्सा के लिए प्रकृति पर निर्भर ● लोगों के बीच पारस्परिक लगाव (ग) **वर्तमान स्थिति:-** ● अतिवृष्टि या अनावृष्टि होना ● नदी-नालों का सूखना और अत्यधिक प्रदूषित होना ● पैदावार में कमी **कारण:-** ● तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण ● भूजल का अत्यधिक दोहन ● प्राकृतिक सम्पदा को क्षति पहुँचाना	

				• पर्यावरणीय असंतुलन **सुधार हेतु सुझाव:-** • जल के परंपरागत संसाधनों का आधुनिकीकरण तथा संरक्षण • मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन • प्रकृति से प्रेम और उसका सम्मान	